

# उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी



महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

माह सितम्बर, 2021

## विश्वविद्यालय नैक के प्रत्यायन की प्रक्रिया

नैक प्रत्यायन के सम्बन्ध में पूर्ण की जाने वाली आवेदन प्रक्रिया के प्रथम चरण में विश्वविद्यालय द्वारा प्रेषित Institutional Information for Quality Assessment नैक, बंगलुरु द्वारा 30, सितम्बर, 2021 को स्वीकृत कर लिया गया है।

इस प्रक्रिया के दौरान उनके द्वारा सूचित विभिन्न आपत्तियों का निस्तारण विश्वविद्यालय की नैक टीम द्वारा किया गया। इस प्रक्रिया के अगले चरण में Institutional Information for Quality Assessment के स्वीकृत होने की तिथि से 45 दिवसों के भीतर विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की जाने वाली Self Study Report नैक, बंगलुरु को प्रेषित की जानी है। इस रिपोर्ट को तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। शीघ्र ही यह रिपोर्ट तैयार होने के बाद नैक को प्रेषित कर दी जायेगी।

## परीक्षा

- विश्वविद्यालय की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षाएं दिनांक 15 सितम्बर 2021 से 05 अक्टूबर 2021 तक 58 परीक्षा केन्द्रों सम्पन्न कराई गई है।
- सम्पन्न परीक्षाओं की उत्तरपुस्तिकाओं की छठनी व मूल्यांकन कार्य गतिमान है।
- बी0एड0 (विशिष्ट शिक्षा) प्रवेश परीक्षा हेतु दिनांक 30 सितम्बर 2021 तक 391 परीक्षा आवेदन प्राप्त हुए जिनकी परीक्षा दिनांक 10 अक्टूबर 2021 को 02 परीक्षा केन्द्र हल्द्वानी एवं देहरादून में सम्पन्न कराई जायेगी।
- वार्षिक पाठ्यक्रमों की ऑनलाइन सत्रीय कार्य परीक्षाओं के सम्पादन हेतु सदस्य सचिव द्वारा कमेटी का गठन कर परीक्षा नियंत्रक कक्ष में समस्त सदस्य की उपस्थिति में परीक्षार्थियों की समस्याओं का निवारण कार्य सम्पादित किया जा रहा है।
- सितम्बर माह में ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आवेदित 146 मूल उपाधियों प्रमाणपत्र एवं अन्य प्रमाणपत्र /सत्यापन वाहक/डाक से प्रेषित की गई।
- सितम्बर माह में पत्राचार, मेल व टेलिफोन के माध्यम से प्राप्त परीक्षार्थियों की समस्याओं का समाधान, सत्यापन/ समान्य पत्राचार, आर0टी0आई0/नोटिस/शिकायती पत्र, सी0एम0 पोर्टल एवं अन्य महत्वपूर्ण पत्रावलियों पर कार्य किया गया/जा रहा है।

## प्रवेश

- विश्वविद्यालय में ग्रीष्मकालीन सत्र के 2021-22 के प्रवेश दिनांक- 01 सितम्बर 2021 से प्रारंभ किये गये हैं।
- दिनांक 30/09/2021 को अब तक 16,301 विद्यार्थियों द्वारा प्रवेश लिया है।
- प्रवेश की अंतिम तिथि 31 नवम्बर, 2021 निर्धारित की गई है।

## एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

### “प्राच्य विद्या और पर्यावरण”

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी में ज्योतिष विभाग तथा ‘नमामि गंगे’ परियोजना के संयुक्त तत्वावधान में “प्राच्य विद्या और पर्यावरण” विषय को लेकर दिनांक 16 सितम्बर 2021 को ऑनलाइन के माध्यम से एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार का शुभारम्भ भारतीय वैदिक सनातन परम्परा के अनुरूप मंगलाचरण के साथ आरम्भ हुआ। तत्पश्चात् समस्त समागत अतिथियों का स्वागत भाषण मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रोफेसर एच.पी.शुक्ल जी के द्वारा किया गया। विषयोपस्थान कार्यक्रम समन्वयक एवं ज्योतिष विभागाध्यक्ष डॉ. नन्दन कुमार तिवारी के द्वारा किया गया। वस्तुतः यह वेबिनार दो सत्रों में आयोजित किया गया – प्रथम उद्घाटन सत्र और द्वितीय तकनीकी सत्र।

इस कार्यक्रम में भारतवर्ष के 15 राज्यों (उत्तराखण्ड, उत्तरप्रदेश, बिहार, झारखण्ड, राजस्थान, उडिसा, तमिलनाडु, दिल्ली, मध्यप्रदेश, पश्चिम बंगाल, जम्मू, पंजाब, केरल तथा महाराष्ट्र) से 155 प्रतिभागियों द्वारा पंजीकरण कराया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी ऑनलाइन उपस्थित रहे।



उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कर रहे प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह नेगी जी, कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने कहा कि प्राच्य विद्याओं का आधार लेकर पर्यावरण की संरक्षण कैसे की जाय? इस पर चिन्तन मनन करते हुए उसका व्यवहार में उपयोग करना चाहिये। ज्योतिष विज्ञान में भी पर्यावरण संरक्षण की अनेक विधाओं का उल्लेख प्राप्त होता है। वृक्षारोपण, जलाशय निर्माण, ऐसी वनस्पतियाँ जो मानव जीवन के लिए कल्याणकारी हो उसका संरक्षण अवश्य किया जाना चाहिये। साथ ही आपने ‘नमामि गंगे परियोजना’ के लिए कहा कि गंगा आस्था का प्रतीक है। सनातन परम्परा में इसकी महत्ता सर्वविदित है। भारतीय मूल ज्ञान-विज्ञान की परम्परा में ‘गंगा’ का सर्वोत्कृष्ट स्थान है।

सत्र में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रोफेसर रामचन्द्र पाण्डेय, पूर्व अध्यक्ष एवं संकाय प्रमुख, ज्योतिष विभाग, ठम् ने अपने वक्तव्य में कहा कि – ‘गंगा’ शब्द पर्यावरण का सूचक है। हमारी प्राच्य संस्कृति ने जो जीवन पद्धति दी है इसमें भूमि को माता तथा सभी जीव-जन्तु एवं वनस्पतियों में प्राणी ही नहीं, अपितु देवत्व का भाव भी प्रदर्शित किया है। हम वनस्पतियों का आवश्यकतानुसार उपयोग भी करते हैं परन्तु हम उनके प्रति आदर भाव भी रखते हैं। उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि **प्रोफेसर विनय कुमार पाठक, कुलपति, छत्रपति साहूजी महाराज विश्वविद्यालय, (कानपुर)** ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति में स्थावर-जंगम-जड़-चेतन आदि सृष्टि की समस्त कोटियों से सम्बन्धित सभी इकाईयों को स्थान एवं काल के अनुसार उचित सम्मान देने की व्यवस्था है। यही संस्कृति है जो सर्वप्रथम विश्वबन्धुत्व और समस्त प्राणियों के कल्याण की कामना उन्मुक्त भाव से करती है दृ

**सर्वे भवन्तु सुखिनरु सर्वे सन्तु निरामयारु।**

**सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुरुख भागभवेत्।।**

आपने पर्यावरण संरक्षण की बात केवल तथ्यों तक सीमित रह जाने कि लिए नहीं कहा अपितु मानव जीवन में व्यावहारिक रूप में उसके क्रियान्वयन की भी बात की। गंगा को आपने अत्यन्त पवित्र बतलाया। जीवन के साथ-साथ मृत्योपरान्त भी गंगा प्राणिमात्र के लिए मोक्षदायिनी है। इसकी अविरल धारा सतत् प्रवाहित होती रहे इसीलिए ‘नमामि गंगे परियोजना’ की शुरुआत वर्तमान सरकार के द्वारा की गयी है। आप इस विश्वविद्यालय के द्वितीय कुलपति के रूप में भी अपने दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर चुके हैं।

उद्घाटन सत्र में विषयोपस्थान के क्रम में कार्यक्रम समन्वयक एवं ज्योतिष विभागाध्यक्ष डॉ. नन्दन कुमार तिवारी ने कहा कि प्राच्य विद्या भारतवर्ष की अमूल्य व विपुल सम्पदा है जो इस देश की संस्कृति को अभिवृद्धि प्रदान करती है। प्राच्य विद्याओं का मूल स्रोत भगवान शिव हैं। प्राच्य विद्या के अन्तर्गत चतुर्दश (14) विद्याओं का उल्लेख प्राप्त होता है। वे हैं – चार वेद, छरू शास्त्र, मीमांसा, न्याय, पुराण और धर्मशास्त्र। कालान्तर में चार उपवेदों को जोड़कर ‘अष्टादश विद्या’ (18) की उत्पत्ति हुई। पर्यावरण संरक्षण में ज्योतिषशास्त्र के अन्तर्गत ऋषियों ने हमें अनेक वृक्षों का महत्व बतलाया है। उद्घाटन सत्र में धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर एच.एस. नयाल, कुलसचिव, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के द्वितीय व तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रोफेसर देवीप्रसाद त्रिपाठी जी, कुलपति, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार ने किया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में आपने ज्योतिष शास्त्र को समस्त विज्ञान का मूल कहा। साथ ही आपने ज्योतिष को संस्कृत वांगमय का प्रौद्योगिकी भी बतलाया। आपने कहा कि पूर्वानुमान करने वाला प्रथम शास्त्र है – ज्योतिषशास्त्र। आपने मानव जीवन में भाव की प्रधानता बतलाते हुए ‘गंगा’ को अत्यन्त पवित्र और मोक्ष प्रदान करने वाली बतलाया।

इस तकनीकी सत्र में तीन प्रमुख वक्ता उपस्थित थे।

प्रथम वक्ता के रूप में प्रोफेसर श्याम देव मिश्र, अध्यक्ष, ज्योतिष विभाग, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर ने कहा कि – माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः।। यह पृथ्वी हमारी माता है और हम सब इसकी सन्तान। इस भाव से यदि प्रत्येक मानव कार्य करें तो पर्यावरण अवश्य संरक्षित रहेगा।

द्वितीय वक्ता के रूप में प्रोफेसर विनय कुमार पाण्डेय, निवर्तमान अध्यक्ष, ज्योतिष विभाग, BHU ने कहा कि हमें केवल तथ्यपरक या ज्ञानपरक बातें ही नहीं करनी चाहिये, वरन् जीवन में उसका क्रियान्वयन भी करना चाहिये, तभी ज्ञान फलिभूत होगा। गंगा के महत्व को बतलाते हुए आपने ज्योतिषशास्त्रीय ग्रन्थ का उद्धरण देते हुए कहा कि गंगा शब्द के श्रवण मात्र से ही मानव को मोक्ष मिल जाता है।

विशिष्ट वक्ता के रूप में प्रोफेसर भारतभूषण मिश्र जी, निदेशक एवं अध्यक्ष, ज्योतिष विभाग, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, मुम्बई परिसर ने कहा कि ज्योतिषशास्त्र हमारे प्राचीन ऋषियों की देन है। त्रिस्कन्ध ज्योतिष के महत्व को आपने विस्तृत रूप से अपने उद्बोधन में समझाया। मानव जीवन में पर्यावरण की क्या भूमिका है। इसे आपने विस्तार से समझाया।

कार्यक्रम के अन्त में धन्यवाद ज्ञापन ज्योतिष विभागाध्यक्ष डॉ. नन्दन कुमार तिवारी ने किया तथा मंगलाचरण डॉ. प्रभाकर पुरोहित ने किया। इस अवसर पर ऑनलाइन प्रतिभागियों के साथ-साथ डॉ. सूर्यभान सिंह, डॉ. अखिलेश सिंह, विश्वविद्यालय स अन्य शिक्षकगण, राजेश आर्या, विनीत पौडियाल आदि भी उपस्थित रहें।

## **National Webinar on Emerging Perspectives of Water-based Tourism in India: Special focus on Sacred River Ganga**

**Organized by**

**Department of Tourism  
Uttarakhand Open University, Haldwani**

The Department of Tourism, Uttarakhand Open University organised a National Webinar on “Emerging Perspectives of Water-Based Tourism in India: Special focus on the Sacred River Ganga” on 22<sup>nd</sup> September, 2021. The webinar featured eminent tourism academicians as experts from the various reputed universities across India.

The webinar was hosted by Dr. Akhilesh Singh, programme coordinator, Department of Tourism, Uttarakhand Open University, who started the webinar with an opening remark. Dr. Neeraj Kumar Joshi, programme coordinator, Department of Sanskrit, performed the Manglacharan. Professor R.C. Mishra, Director, School of Tourism, Hospitality and Hotel Management (STHHM), Uttarakhand Open University, Haldwani, delivered the welcome address for the webinar.



**Professor R. C. Mishra  
Director  
School of Tourism, Hospitality and  
Hotel Management**

Prof. Manjula Chaudhary, Department of Tourism and Hotel Management and Dean Academic Affairs, Kurukshetra University, Kurukshetra, Haryana and former Director of Indian Institute of Tourism and Travel Management (IITTM) was the chief guest of the webinar. In her keynote address, she had highlighted the importance of the sacred River Ganga for India and mentioned that we can save River Ganga only when people have full faith in their Rivers. Further, she also highlighted that there is a need to identify some new destinations to start water-based adventure sports activities.

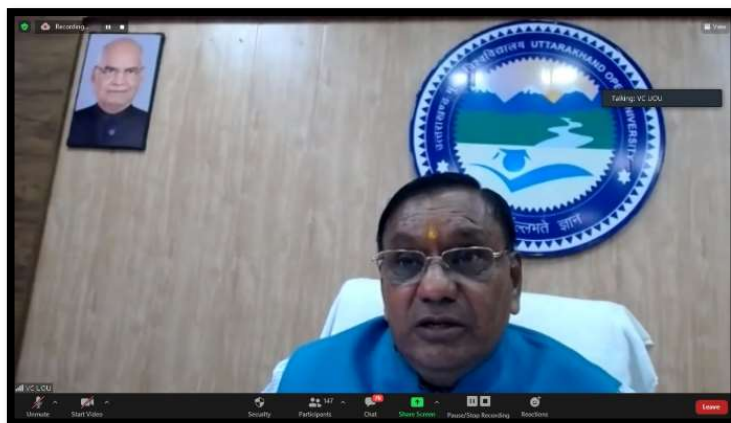
Prof. Nimit Chowdhary, Department of Tourism & Hospitality Management (DTHM), Jamia Milia Islamia, New Delhi, the guest speaker of the programme said that if any outsider wants to understand India then he must travel the cities which are located on the banks of the River Ganga.

Prof. Sampad Kumar Swain, Department of Tourism Studies, Pondicherry University, Pondicherry, the other guest speaker of the webinar, pointed out that River Ganga has been a cradle of many civilizations, we have been using the water and other resources of the River Ganga for generations and now the time has come when it is utmost important to utilise the resources in a very thoughtful manner so that sustainable development goals can be achieved on time. He also appreciated the efforts made by the present government, which is working in the right direction in the revival of the River Ganga.

Prof. S. K. Gupta, Director, Centre for Mountain Tourism and Hospitality Studies, (CMTHS), Hemvati Nandan Bahuguna Garhwal University (HNBGU), Uttarakhand, was the last guest speaker of the webinar, who underlined that Uttarakhand is the source of the most of the important Rivers of India. It is also known as the land of all seasons and all reasons but there is a need to consider the carrying capacity of the destination while promoting tourism activities in the state. He had given some suggestions to regulate and diversify the tourism activities in the entire state so that people can get an equal chance to earn their livelihood and not migrate to other places. Professor O. P. S. Negi,



**Prof. S. K. Gupta, Director**  
Center for Mountain Tourism and Hospitality  
Studies, HNBGU, Srinagar, Uttarakhand

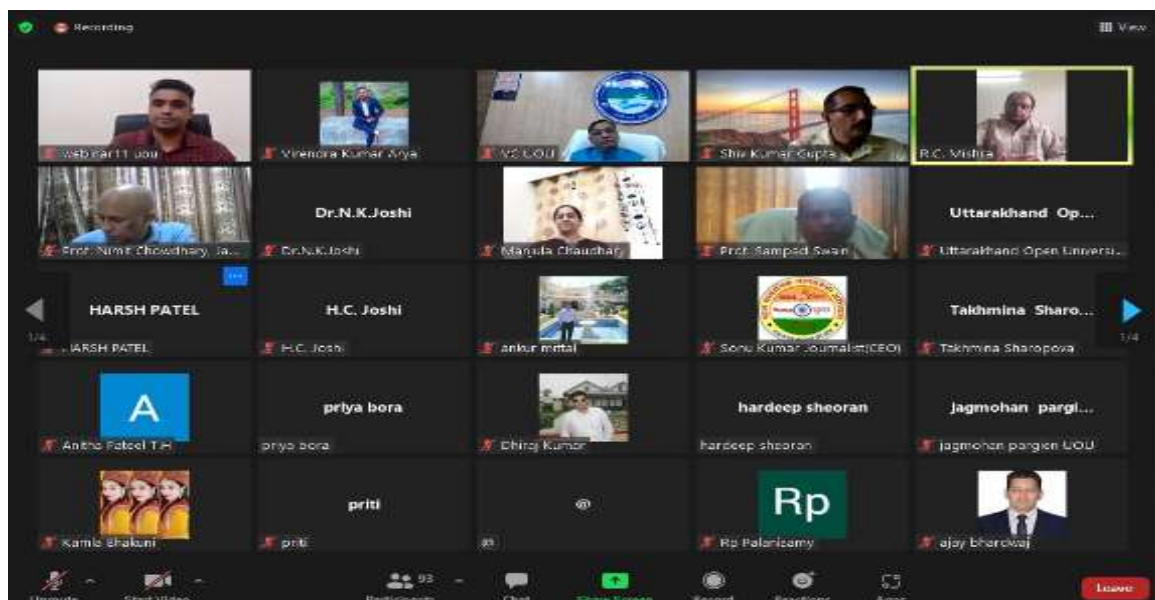


**Chairperson**  
**Prof. O. P. S. Negi**  
Hon'ble Vice-Chancellor  
Uttarakhand Open University



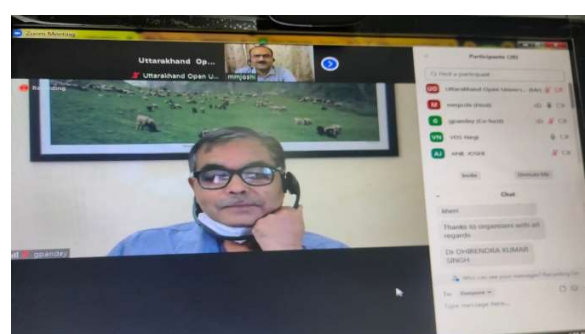
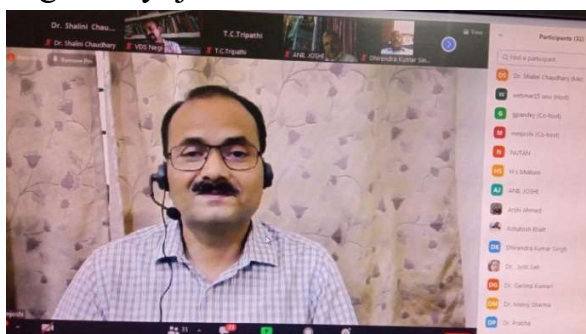
Hon'ble Vice-Chancellor, Uttarakhand Open University, in his presidential address highlighted how Uttarakhand Open University can work ahead in this area and contribute in the near future. At the end of the webinar, Dr. Harish Joshi, Nodal Officer, Namami Gange, Uttarakhand Open University, gave a vote of thanks to all the resource persons and participants who were connected from different parts of the world.

The webinar was conducted on the Zoom meeting app. The department of tourism had received more than 600 registrations and more than 200 registered participants had joined the webinar. The participants had not only joined us from different parts of India but also from our neighbouring countries including Bangladesh, China, Japan, Nigeria, Pakistan, Thailand, Philippines etc.



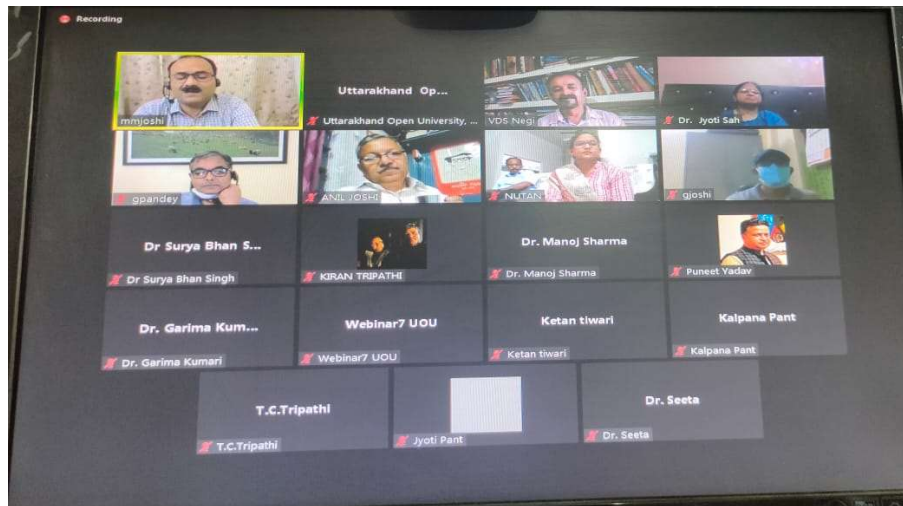
### **The Webinar on ‘Cultural Informatics: Special Reference to Uttarakhand’ was organized by the department of History, School of Social Sciences**

The Webinar on ‘Cultural Informatics: Special Reference to Uttarakhand’ was organized by the department of History, School of Social Sciences, Uttarakhand Open University on 10<sup>th</sup> Sept. 2021. The Webinar was organized under the aegis of Namami Gange Pariyojana.



Hon'ble Vice Chancellor, Uttarakhand Open University, Professor Om Prakash Singh Negi was the Chief Patron of the webinar; the chairman was Professor Girija Prasad Pande, Director School of Social Sciences.

Hon'ble vice Chancellor, Soban Singh Jeena University, Almora was the Chief Guest, The special guests of the webinar were Professor R.P.Bahuguna, Jamia Millia University, Professor D.P.Saklani, H.N.B.Garhwal Central University, Professor Ajay Singh Rawat Former Director, School of Social Sciences, Uttarakhand Open University, Professor Durgesh Pant, Director, School of Computer Science & Information Technology, Uttarakhand Open University, The organizing Secretary was Dr. M.M.Joshi, Associate Professor of History, Uttarakhand Open University.



### अंतर्राष्ट्रीय बधिर सप्ताह के अंतर्गत उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी में एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

अंतर्राष्ट्रीय बधिर सप्ताह के अंतर्गत उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी एवं भारतीय सांकेतिक भाषा शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान भारत सरकार नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह नेगी द्वारा अपने उद्बोधन में कहा गया कि सांकेतिक भाषा दिव्यांग जनों के सशक्तिकरण के साथ साथ हम सभी के लिए आवश्यक है। प्राचीन काल से ही संकेतिक भाषा का प्रयोग महाभारत काल में होता रहा है। भाषा की समस्या का निराकरण साइन लैंग्वेज के माध्यम से किया जा सकता है साथ ही समावेशी शिक्षा की आवश्यकता व मांग है को देखते हुए माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा सांकेतिक भाषा को एक विषय का दर्जा दिया गया।



विश्वविद्यालय में भारतीय सांकेतिक भाषा प्रशिक्षण संस्थान के सहयोग से शीघ्र एक सर्टिफिकेट कोर्स प्रारंभ किया जाएगा जिसका लाभ मनो विज्ञान, समाज कार्य, विधि और शिक्षा शास्त्र के विद्यार्थी ले सकेंगे। मुख्य अतिथि भारतीय सांख्यिकी संस्थान के उपनिदेशक संजय कुमार द्वारा अपने उद्बोधन में बताया गया कि इस कार्यशाला का उद्देश्य लोगों में सांकेतिक भाषा के प्रति जागरूकता फैलाना है, साथ ही संस्थान द्वारा चलाए जा रहे हैं रोजगारपरक कार्यक्रमों के बारे में भी उन्होंने बताया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यथाशीघ्र मुक्त विश्वविद्यालय के साथ भारतीय सांस्कृतिक प्रशिक्षण संस्थान एक एमओयू करेगा जिसके उपरान्त सांकेतिक भाषा से संबंधित सर्टिफिकेट प्रोग्राम दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से उत्तराखंड राज्य में भी चलाया जाएगा। इससे पूर्व शिक्षा शास्त्र विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर एसपी शुक्ला द्वारा अपने स्वागत भाषण में शिक्षा शास्त्र विभाग द्वारा दिव्यांग जनों के सशक्तिकरण के लिए चलाए जा रहे इस तरह के कार्यक्रमों को लेकर प्रसन्नता व्यक्त की गई। साथी दिव्यांग जनों के लिए समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन की आवश्यकता पर भी उन्होंने बल दिया। कार्यक्रम के आयोजक डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल सहायक प्राध्यापक द्वारा कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की गई।

CHIEF PATRON	
	
Prof. Om Prakash Singh Negi Vice Chancellor, UOU	Shri Parboddh Seth Joint Secretary, MoSJE, Govt. of India
PATRON	
	
Prof. H.P. Shukla Director, SOE, UOU	Sanjay Kumar Deputy Director
ORGANIZING SECRETARIES	
Dr. Siddharth Kumar Pokhriyal Assistant Professor, UOU	Dr. Andesha Mangla Assistant Professor, ISLRTC
ORGANIZING COMMITTEE	
Dr. Digar Singh Farswan Asso. Professor Dr. Dinesh Kumar Chaudhary, Assistant Professor Dr. Mamta Kumari, Assistant Professor Dr. Kalpana Lakhera, Assistant Professor Dr. Debaki Sirola, Assistant Professor Dr. Manisha Pant, Assistant Professor (AC) Dr. Dinesh kandpal, Assistant Professor (AC) Mrs. Suman Pilkhwai, Assistant Professor (AC) Mrs. Bhawana Dhoni, Assistant Professor (AC) Mr. Harish Soni, Assistant Professor Mr. Islam Ul Haque, Master Trainer (Deaf) Mr. Sourav Bhattacharya, Instructor (Deaf) Ms. Annu Gautam, Interpreter Ms. Nidhi Mishra, Interpreter Mr. Sagar Ali, ISL Intern-Teacher	

कार्यक्रम में डॉ हरीश सोनी द्वारा सांकेतिक भाषा प्रशिक्षक की भूमिका के बारे में बताया गया। सौरभ भट्टाचार्य और सागर द्वारा सांकेतिक भाषा में प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया गया। इस्लाम उल हक द्वारा बधिरता के कारण और संकेतिक भाषा की उत्पत्ति के बारे में बताया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल द्वारा वह मूकबधिर प्रतिभागियों के लिए सांकेतिक भाषा के रूप में प्रस्तुतीकरण निधि मिश्रा एवं अनु गौतम द्वारा किया गया।

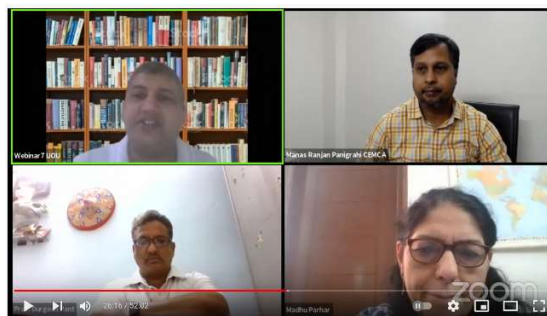
## **2 Two Week FDP Program organized by School of Computer Science & IT and Online Program Cell, Uttarakhand Open University in collaboration with Commonwealth Media Centre for Asia(CEMCA), New Delhi**

SWAYAM stands for Study Webs of Active-Learning for Young Aspiring Minds is an Indian Massive Open Online Course (MOOC) platform. SWAYAM is an initiative launched by the Ministry of Human Resource Development, Government of India under Digital India to give a coordinated stage and free entry to web courses, covering all advanced education, High School and skill sector courses. As we realized from this COVID 19 pandemic situation and initiatives of Govt. of India for Online Education, there will be more need-based courses required in SWAYAM as well as for different institutional platform to provide better learning opportunities for youths. Hence, the teacher/course developers need to be trained on how to develop online courses in compliance with SWAYAM standard. The FDP is offered as MOOC, therefore the learner has to flexibility to access the course contents as per his/her convenience within the specified timeframe.

Participants will be able to:

- Describe the Online Education and SWAYAM at a large.
- Prepare the proposal for Course development for SWAYAM as per the guidelines and seek funding for new and repurpose of course.
- Write contents in text format using various resources and Open Educational Resources.
- Deliver contents in the form of video using PPT, animations, illustrations, etc.
- Facilitate the learners through discussion forum.
- Develop assignments and quizzes for learner's formative and summative assessment.

The inaugural session was conducted on 14<sup>th</sup> September, 2021 at 11:00 AM through online mode on ZOOM. More than 80 participants attended the session. Dr. Jeetendra Pande, Associate Professor Computer Science welcomed all the participants. Dr. Manas Ranjan Panigrahi, Sr. Program officer -Education, CEMCA gave an overview of the program.



It was followed by the speech of Prof. Madhu Parhar- Director, CEMCA said this online course developed by CEMCA will help the teachers to design the course for SWAYAM portal.

Prof. Durgesh Pant, Director- School of Computer Science & IT, UOU said this program is offered as a MOOC with an intention to encourage and train the participants on how to develop MOOCs not only for SWAYAM but for their Institutional LMS also.

Dr. Jeetendra Pande, Course Coordinator of this FDP program delivered the vote of thanks to all the dignitaries and the participants.

UOU offered 2-week online FDP program from 14-28 September, 2021 through MOODLE platform. Course materials were designed and developed by Dr. Manas Ranjan Panigrahi, Sr. Program Officer, Commonwealth Educational Media Centre for Asia, New Delhi and his team from IGNOU, UOU, NSOU. The content includes video

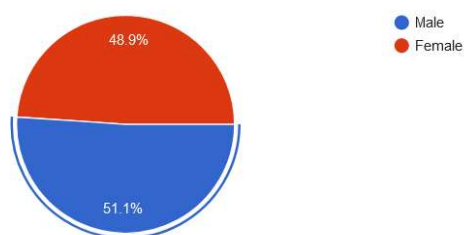
lectures, power point presentation, transcripts, etc were uploaded and placed in the sequential manner and provided navigation for easy access. Details about the course are given below:

Courses	Start Date	End Dates	No of Topics	No of Instructors
Development of Online Courses for SWAYAM	21-06-2021	05-07-2021	17	6 including Dr. Manas

Initially, UOU announces the courses details in the University website, Social Media platforms like Facebook, LinkedIn, etc. and invited the participants for registration through google form. After removing the duplicate entries, total 801 participants registered for the FDP program. To facilitate the registration on the course portal, the organizers created the login for the participants and the credentials were sent to them along with instruction through registered email. Out of total 801 participants who registered for the course, 494 participants never logged in to the portal. So, there were 307 participants who registered for the course and logged in to the course portal for at least once.

It is evident that out of 801 participants, 409 (51.1%) were male and 392 (48.9%) were female. This reveals that more male participants registered in the course as compared to the female participants.

Gender  
801 responses



After completing all the mandatory requirements for successfully completing the FDP program, 398 participants downloaded the certificate.

### राष्ट्रीय पोषण सप्ताह 1-7 सितम्बर, 2021

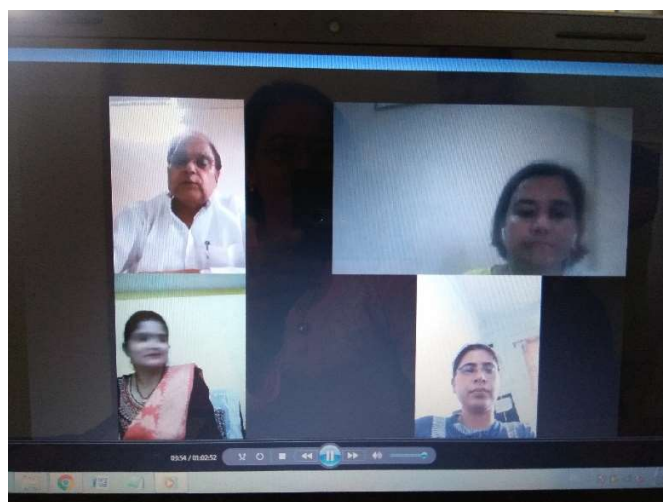
प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा 1 से 7 सितम्बर, 2021 के मध्य राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया गया। इस सप्ताह को मनाने का मूल उद्देश्य जनमानस में पोषण सम्बंधी जागरुकता बढ़ाना है। देशभर में सितम्बर माह को पोषण माह के रूप में मनाया जाता है जिसमें स्वास्थ्य एवं पोषण की महत्ता पर जोर दिया जाता है। गृह विज्ञान विभाग प्रत्येक वर्ष इस सप्ताह में पोषण जागरुकता कैम्प, कार्यशालाएं, पोस्टर/चार्ट प्रयोगिताएं, क्विज, आहारीय परामर्श सत्र आदि का आयोजन कराता रहा है परंतु इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते विभाग द्वारा विश्वविद्यालय में कार्यक्रम नहीं आयोजित कराए गए। इस वर्ष इस सप्ताह को ऑनलाइन माध्यम से मनाया गया। इस वर्ष पोषण सप्ताह की थीम थी "FEEDING SMART RIGHT FROM THE START"।

- ☐ इस सप्ताह के दौरान विभाग के शिक्षकों द्वारा पोषण के विभिन्न आयामों पर विश्वविद्यालय के रेडियो चैनल "Hello Haldwani 91-2 FM" पर रेडियो कार्यक्रमों का प्रसारण किया गया। निम्न विषयों पर रेडियो वार्ताएं प्रस्तुत की गईं।

- पूरक आहार का महत्व।
- भारतीय बच्चों में कोविड-19 और पोषण सुरक्षा।
- बढ़ते बच्चों के लिए स्थानीय खाद्य पदार्थों का महत्व।

- ☐ विभाग द्वारा पोषण सप्ताह के उपलक्ष्य में दिनांक 4 सितम्बर, 2021 को एक ऑनलाइन पोषण क्विज आयोजित की गई। गृह विज्ञान के शिक्षार्थियों द्वारा इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया गया।

- ☐ दिनांक 5 सितम्बर, 2021 को गृह विज्ञान संकाय और शिक्षार्थियों का एक ऑनलाइन विचार विमर्श सत्र का आयोजन किया गया जिसमें गृह विज्ञान विभाग के शिक्षकों ने अपने शिक्षार्थियों के साथ संवाद किया और शिक्षार्थियों ने अपने विचार प्रस्तुत किए।



- ☐ इस सत्र में मूलतः बच्चों के पोषण, समुदाय में उनके पोषण की स्थिति, सरकार की तरफ से चलाई जा रही पोषण सम्बंधी योजनाओं, उत्तराखण्ड में बच्चों के स्वास्थ्य की स्थिति आदि विषयों पर विचार विमर्श किया गया। यह सत्र बहुत सफल रहा।

- ☐ एम0ए0 गृह विज्ञान के कई शिक्षार्थी सरकारी विद्यालयों में शिक्षक हैं। चूँकि पोषण सप्ताह की इस वर्ष की थीम मुख्यतः बच्चों के पोषण से सम्बंधित है इसलिए इस विचार विमर्श सत्र में इन शिक्षार्थियों को अपने विद्यालयों में पोषण सप्ताह के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित कराने को प्रेरित किया गया। जिसके फलस्वरूप कई शिक्षार्थियों ने अपने विद्यालयों में कार्यक्रम आयोजित कराए।





- दिनांक 6 सितम्बर, 2021 को विभाग द्वारा एक ऑनलाइन पूरक आहार रेसिपी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में छः माह से अधिक आयु के शिशु हेतु एक पूरक आहार की रेसिपी बनाकर उसका पोषक मूल्य के बारे में जानकारी देनी थी। सभी शिक्षार्थियों ने इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया।

### परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण

वर्तमान में संचालित विश्वविद्यालय की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा कुलपति प्रो० ओ०पी०एसस० नेगी द्वारा निम्न परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया—

- कुलपति जी द्वारा दिनांक 16/09/2021 को एमबीपीजी कॉलेज, हल्द्वानी का निरीक्षण।



- दिनांक 17/09/2021 को राजकीय महाविद्यालय, रानीखेत का निरीक्षण।



- दिनांक 17/09/2021 को राजकीय महाविद्यालय, अल्मोड़ा का निरीक्षण।





- दिनांक 18/09/2021 को एम0आई0ई0टी0, लामाचौड़, हल्द्वानी का निरीक्षण।



- दिनांक 23/09/2021 को राजकीय महाविद्यालय, रुद्रपुर का निरीक्षण।



- दिनांक 24/09/2021 को राजकीय महाविद्यालय, रामनगर का निरीक्षण।



- दिनांक 25/09/2021 को राजकीय महाविद्यालय, कोटद्वार एवं एच0ई0सी0 पी0जी0 कॉलेज, हरिद्वार का निरीक्षण।



- दिनांक 27/09/2021 को एस0जी0आर0आर0 पी0जी0 कॉलेज, देहरादून का निरीक्षण।
- दिनांक 28/09/2021 को परीक्षा केन्द्र ओमकारानंद इन्सटीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, ऋषिकेश तथा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, टिहरी का निरीक्षण।
- दिनांक 29/09/2021 को सरदार महिपाल राजेन्द्र डिग्री कॉलेज, साहिया, देहरादून एवं वी0एस0के0सी0 राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय का निरीक्षण।

### अन्य अकादमिक गतिविधियाँ

1. Prof. Renu Prakash, Professor, Sociology Participated in Seven Day national workshop on HINDI VYAKARAN by Govt. P. G. Collage Someshwar, Almora Date 7 To 13 Sept 2021.
2. Dr. Ashutosh Bhatt, Associate Professor- Computer Science delivered an Expert Talk on “Application of Machine Learning for Conservation of Cultural Heritage” under the Webinar on ‘Cultural Informatics: Special Reference to Uttarakhand’ organized by Uttarakhand Open University on Sep 10, 2021.
3. Dr. Ashutosh Bhatt, Associate Professor- Computer Science delivered an Expert Talk on “Informal /Formal Learning Through SWAYAM” under the Refresher Course in Commerce & Management organized by UGC-Human Resource Development Centre (UGC-HRDC) Kumaun University, Nainital (Uttarakhand) from 13 September 2021– 27 September 2021.
4. Dr. Ashutosh Bhatt, Associate Professor- Computer Science participated in one day National Webinar on “Nation Education Policy 2020 and Social Work Profession: with Special Reference to National Council of Social Work Education Bill 2021” on 31st July 2021 Organized by Uttarakhand Open University & Central Zone of NCSWE-Uttarakhand Chapter.
5. Dr. Jeetendra Pande, Associate Professor- Computer Science delivered an Expert Talk on “Can Virtual Reality play an important Role in protecting the Cultural Heritage of Uttarakhand?” under the Webinar on ‘Cultural Informatics: Special Reference to Uttarakhand’ organized by Uttarakhand Open University on Sep 10, 2021.
6. Dr. Jeetendra Pande, Associate Professor organized a 2-week FDP program on “Development of Online Courses for SWAYAM” from 14-28, September 2021 in collaboration with CEMCA. The detailed report is attached.
7. दिनांक 29 व 30 सितंबर, 2021 को योग विभाग द्वारा एम0ए0 योग कके द्वितीय वर्ष मुख्य कार्यशाला का आयोजन किया गया।



माह सितम्बर, 2021 में उपरोक्त प्रमुख कार्यकलापों के अतिरिक्त, वर्ष 2021-22 (ग्रीष्मकालीन सत्र) में प्रवेश की तैयारियां, शिक्षकों द्वारा ईकाई लेखन, पाठ्यक्रमों में सुधार/संशोधन आदि कार्य किए जा रह है। विद्यार्थियों तक पुस्तकों एवं पाठ्य सामग्री की आपूर्ति, सूचना का अधिकार कानून के अन्तर्गत सूचनाओं की आपूर्ति, विद्यार्थियों को वांछित प्रमाणपत्रों का अविलम्ब निर्गमन आदि कार्य सम्पन्न किये गये।

**(विश्वविद्यालय की गतिविधियों से संबंधित मीडिया कवरेज संलग्न है- क)**

\*\*\*\*\*